प्रातः क्लास 30-1-68 ओमशान्ति पिताश्री शिव बाबा याद है?

ओमशान्ति। रूहानी बाप बैठ रूहानी बच्चों को समझाते हैं। रूहानी बाप को सारी दुनिया याद करती है। जब भी अल्ला लोगों के पास जाओ तो अंगुली से ऊपर के लिये ईशारा करेंगे। वह हैं ऊंच ते ऊंच। और आत्मा का परिचय भी देते हैं। बाबा ऊपर परधाम में वा ब्रह्माण्ड में रहते हैं। बाप कहते हैं मैं ही आत्मा तुम बच्चों को अपना परिचय देता हूं। मुझे देखो कितनी गाली देते हैं। यह भी ड्रामा प्लेन अनुसार करते हैं। कोई नई बात नहीं। सतयुग आदि सत होसी सत है भी सत। यह सभी चक्र लगाते रहते हैं। यह बातें बाप ही आकर बच्चों को समझाते हैं। तुम बच्चों को भी तंग करते हैं। शास्त्रों में भी कौरव और पाण्डवों की बात है ना। तो बाप कहते हैं मुझे तो गाली देते हो। फिर मैं जब यहां आता हूं जिन्हों को राजयोग सिखाता हूं, उन्हों को भी कितना तंग करते हैं। शास्त्रों में कैसी2 बातें बनाकर लिख दी है। गोपियों साथ खेल-पाल करते थे। अभी यहां तो सांवरा है ना। वास्तव में सांवरा कृष्ण नहीं कहेंगे। कृष्ण की वही आत्मायें भिन्न2 नाम रूप लेते काम चिता पर बैठ काली बन जाती हैं। तुम भी काम चिता पर बैठ सांवरे हो गये हो। तुम बच्चे जानते हो शुरू में भी कितना तंग किया था। इस रूद्र ज्ञान यज्ञ में कितने विघ्न पड़ते हैं। पाण्डवों की लाखा भवन को आग लगाई। वह भी देखा ना। तुम्हारे महल को आग लगाने आये थे ना। लैखराज नाम से था। तो कितनी कोशिश की तंग करने की। तुम पाण्डव थे ना अन्दर। तुम्हीं पाण्डव हो। पाण्डवों को कौरव बहुत तंग करते हैं। बाप भी समझाते हैं अबलाओं पर बहुत अत्याचार होते हैं। कल्प2 होता रहता है। कोई नई बात नहीं। यहां भी तुमको हैरान करते हैं। ऐसी और कोई संस्था होती नहीं जिसके पिछाड़ी इतनी खिट पिट करते हैं। अभी तो ही बात है।

यह सभी बातें तुम बच्चों को बाप ही समझाते हैं। वह बापों का बाप भी है पतियों का पति भी है। वही आकर तुम्हें सृष्टि के आदि मध्य अन्त का राज समझाते हैं। यह रूहानी नालेज और कोई मनुष्य मात्र में होती नहीं। नालेजफुल ज्ञान का सागर एक ही है। बाप आते ही हैं राजयोग सिखलाने। बाप कहते हैं मीठे बच्चे यह नालेज तुमको इस संगम युग पर ही आकर देता हूं। यह है भविष्य 21 जन्मों के लिये। मनुष्य तो इन बातों को जान न सकें। यह राज्य तुमको 21 पीढ़ी के लिये मिलता है। तुम समझ सकते हो इन ल0ना0 ने यह राज्य कैसे पाया। कहां वह देवतायें कहां तुम मनुष्य। तुम अभी बाप द्वारा सभी कुछ जान गये हो। किसको भी समझा सकते हो। इस संगम युग की तो आयु ही बहुत थोड़ी है। संगम युग कब होता है यह भी किसको पता नहीं है। वह समझते हैं कृष्ण द्वापर में गया। तुम समझाते हो कृष्ण तो सतयुग का प्रिन्स था। इनको यह बनाने वाला संगम युग पर ही आते हैं। उन्होंने तो कल्प की आयु ही लम्बी कर दी है। बाप समझाते हैं यह सभी है अज्ञान। गीता झूठी है। अभी तुम ऐसे कहेंगे तो जब तक समझे तब तक तो तुमको तंग करेंगे ना। तुम कहते हो भक्ति दुर्गति मार्ग है। यह बातें सन्यासी, शंकराचार्य आदि सुने तो हैं ना। और सुनते ही रहते हैं। क्योंकि खुद भी शिव की भक्ति करते हैं। बाप ने समझाया है पुजारी भक्त को कब भगवान नहीं कहा जाता। एक तरफ भक्ति करते रहते, दूसरे तरफ फिर शिवोहम कहलाते रहते। खुद पूजते रहते और अपनी पूजा करा=करा करते रहते। बिल्कुल ही अज्ञानी मनुष्य हैं। तो बाप समझाते हैं कृष्ण को भी कितना हैरस करते थे। फलाने को भगाया यह किया। वास्तव में यह सांवरा है। इन पर ही खिट2 होती हैं। और धर्मों में इतने हैरान नहीं होते। कोई ऐसे सताते नहीं। यहां अपने ही भारतवासी तंग करते रहते हैं पाण्डवों को। कितनी कलंक लगाई है। कृष्ण थोड़ेही कहेंगे जुआ खेलो। फिर विवस्त्र दिखाते हैं द्रौपदी को दाव पर लगाया। द्रौपदी को 5 पति पाण्डव दिखाई है। कितना यह सभी शास्त्रों में गंद लिखा है। वह तो कृष्ण को भगवान मानते हैं। भगवान ने फिर ऐसी राय दी। बातें ऐसी लिख दी है जो बिल्कुल ही सुनने लायक नहीं। अभी बाप यह सभी बातें समझाते हैं। यह वेद शास्त्र आदि सभी हैं भक्ति मार्ग के। यह फिर भी भक्ति मार्ग में होंगे। अभी बाप कहते हैं तुमको यह शास्त्र आदि पढ़नी नहीं चाहिये हैं। यह भी ड्रामा में है। भक्ति के शास्त्र हैं। फिर संगम युग भी होगा जरूर।

30-11-82

जो कुछ पास्ट हुआ है सो फिर से रिपीट होगा। तो यह बाप बैठ समझाते हैं। क्या2 पास्ट में हुआ है फिर तुम को भी ऐसे समझाना होता है। कई बोलते हैं तुम्हारी इतनी वदनामी क्यों होती है। यह तो पाण्डवों और कौड़वों का गायन है। पाण्डवों की निन्दा हुई थी ना। पाण्डव पति कृष्ण को कहते हैं। उनकी कितनी ग्लानी की है। इतने स्त्रीयों को भगाया यह किया, भगाने वाले पर तो वारन्ट निकल जाये। कितनी कन्याएं माताएं आती थी। भगाया तो कोई ने नहीं। ऐसे नहीं हो सकता जो कोई के पिछाड़ी इतने सभी घर वार छोड़ आये। यह भी समझ चाहिए ना। क्या ताकत है। अगर ताकत है तो उनका सामना कैसे करें। यह तो सर्वशक्तिवान बाप का काम था ना। बाप खुद कहते हैं यह मेरा ही पार्ट है ना जो ड्रामा प्लेन अनुसार पले कर रहे है। तुम बच्चों को भी यह समझाना है यह कोई नई बात नहीं। यह भी लिखा हुआ है कौरव की है विनाश काले विपरीत बुधि। अभी देहली में मुरार जी देसाई ओपनिंग करने आवेंगे। कल यहां से तार भेज्जी है कि उनको यह बातें समझाओ। यह विनाश जो हो रहा है इस विनाश के बाद विश्व में आदि सनातन देवी देवता धर्म की स्थापना होनी है, गोया विश्व में शान्ति स्थापन होनी है। उनको समझाना तो है ना। और कोई संस्था के पिछाड़ी इतने तंग नहीं करते हैं। क्योंकि यहां मुख्य है पवित्रता की बात। इस पर खिट पिट शुरु से लेकर पिछाड़ी तक चलती रहेंगी। बड़े2 घर के आवेंगे तो बड़े हंगामे भी मचेंगे। बाप कहते हैं तुम बच्चों ने इस सृष्टि के आदि मध्य अन्त की नालेज अनेक बार सुना है। बाप ही बैठ समझाते हैं। मैं कैसे स्थापना करता हूं। वह तो है हठयोगी। उन्हों के भी कितने फालोअर्स बनते हैं। कितने हठयोग आदि सिखलाते हैं। जिन्होंने गुरु किया होगा अब अनुभवी होंगे। अनेक प्रकार के हठयोग आदि सिखलाते हैं। यह भी शास्त्र आदि तो पढ़ा हुआ है ना। अभी इनको भी बाप कहते हैं यह शास्त्रों का भूसा सारा बुधि से निकालो। तुम्हारा कितना सामना करते हैं शास्त्रों में यह है। बाप समझाते हैं यह सभी भक्ति मार्ग के शास्त्र आदि हैं। मैं इन से मिलता नहीं हूं। यह सभी ईवील हैं। डियर नो ईवील... तुम यह कुछ भी न सुनो। जो मैं तुमको सुनाता हूं वही सुनो। बाकी वह तो सभी हैं भक्ति मार्ग के। भक्ति-मार्ग की संस्थाएं तो अनेक हैं। किस्म2 के आते हैं। बहुत बातें बनाते भी हैं। कितना तंग करते हैं। यह भी कोई नई बात नहीं है ना। सिर्फ तुमको बाप समझाते हैं मुझे याद करो तो तुम्हारे पाप कटें। यही मेहनत है। माया तुमसे खूब अच्छी रीत लड़ती है। बाप को याद करते2 जब कर्मातीत अवस्था हो जावेगी फिर तुम को कोई तकलीफ नहीं होगी। खुशी का पारा चढ़ा रहेगा। शरीर भी जैसे हल्का हो जावेगा। जैसे क्लोरोफार्म लगता है तो भांग हो गुम हो जाते हैं। यह भी बाप की याद में रहते2 जैसे तुम यहां शिव बाबा की याद में बैठे रहते हो तो बैठते2 तुम्हारी रस्सी खींची जाती है। यह भी ड्रामा में पार्ट है। बाबा कुछ करते नहीं हैं। ड्रामा में पार्ट है आत्मा की रस्सी खींची जाती है। सा0 में चले जाते हैं। भां2 होते2 मनुष्य शांत हो जाते हैं ना। यह भी ऐसे होता है। भां2 होते2 फिर चले जाते हो ध्यान में। कितनी बच्चियां जाती थी। फिर आ जाती थी। छोटी2 बच्चियों को भी रस्सी बैठे2 आपेही खींची जाती थी। आपे ही आपस में बैठते थे और बैकुण्ठ में जाकर डांस आदि करने लग पड़ती थी। बाबा कहते थे यह भी ड्रामा में नूंध है। मैं तो कुछ भी करता नहीं हूं। हैरस (तंग) भी इनको करते हैं। नहीं तो यह बिजनेस में था, कब कोई हैरस कर न सके। कहते हैं ना रास्ते चलते ब्राह्मण फंसा। नहीं तो कब कोई की गाली नहीं खाई। और ही नवाब कहते थे। शाम को 5 लगा यह मोटर में गया मेच घूमने फिरने। धंधा खलास। जास्ती हवस नहीं होती थी। टाईम पर एक दो अच्छे ग्राहक मिला बहुत हुआ। बाबा को कुछ भी मेहनत नहीं करनी पड़ती थी। कितना नामचार था। कितना रिगार्ड रखते थे। पंचायत में भी बहुत रिगार्ड से मंगाया था। थोड़ी खिट2 करते थे हमने कहा चुप करो। भगवानुवाच काम महाशत्रु है। जो काम को जीतेंगे वह जगतजीत बनेंगे। यह मंत्र तुमको भी देता हूं। भगवानुवाच है। अभी भगवान की मत मानो न मानो तुम्हारी मर्जी। मैं कैसे कहूंगा कि विकार दो। इनमें बाबा था ना। कोई की ताकत नहीं जो कुछ कर सके

(W/o. late Mr. Prakash Chandra Verma)
11 Embassy Apartments.
Vidarbha Veneer Industries Limited
Mayur Paper Mills Private Limited
Private Limited
out of the sale of the shares hereby offered. There is no property which the Company purchased, or acquired which is to be purchased or acquired which is to be paid for wholly or partly out of the proceeds of the Offer for Sale.
SHARE QUALIFICA

अभी तुमको कितना तंग करते हैं। और कोई धर्म में यह बातें नहीं। अहमदाबाद में एक साधु निकला था ना जो कहता था मैं न खाता, न पीता हूं ... ऐसे तो हो न सके जो खाने पीने बिगर कोई चल सके। बाबा ने लिख दिया उनकी पूरी जांच करो। फिर बरोबर पकड़ा गया। ऐसे2 फिर भाग जाते हैं। तो इस समय हैं अनेक अनुयायी। झूठ तो बहुत हैं। बच्चे जानते हैं सच्च की बैरी लूडे2 पर चुंडे नहीं। कितने हंगामे करते हैं, समझते हैं यह संस्था अभी गई कि गई। परन्तु तुम्हारा तो नाम बढ़ता जाता है। कितने बड़े2 म्युजियम खर्चा से खोलते रहते हो। तार भी कितनी अच्छी दी है। बाबा ने लिखा है तार में2 अक्षरों में बोर्ड पर लगा दो। या छपवाकर बांटो। माउन्ट आबू हेड आफीस सेरेमनी वगैरह आये हैं। स्प्रीचुअल नालेज सिवाय बाप के कोई जानते ही नहीं। उनको भी समझाओ अभी भगवान बाप को याद करो तो तुम्हारे पाप कट जावें। और तुम सतोप्रधान देवता बन जावेंगे। यह जो लड़ाई लग रही है इससे ही विश्व में शान्ति होनी है। बापू जी भी राम राज्य ही मांगते थे ना। अभी तो वह है नहीं। तुम बच्चों को कितना समझाया जाता है, औरों को समझाने लिये फिर कितने चित्र आदि बनते हैं। बाबा तो कहते रहते हैं बड़े2 चित्र बनाओ जो दूर से ही दिखाई पड़े। बड़े2 स्टेशन पर, रोड पर लगाओ जो कोई भी पढ़ सके। इसमें यह जरूर लिखा हुआ हो तुम्हारा यह ईश्वरीय जन्म सिध अधिकार है। भगवानुवाच मुझे याद करने से तुम यह बन जावेंगे। परन्तु काम तो आहिस्ते2 होगा ना। बच्चों को डायरेक्शन मिलते रहते हैं। पूछते हैं इतनी खर्चा कहां से आया? बोलो खर्चा तो हम बच्चे ही करते हैं। हम श्रीमत पर अपने लिये राजधानी स्थापन करते हैं। हम ब्राह्मण तो बहुत हैं। सभी कोई गरीब थोड़े ही हैं। हम ईश्वरीय सम्प्रदाय हैं। क्या ईश्वरीय सम्प्रदाय पास पैसे नहीं होंगे। जो कोई कितना देते हैं कोई कितना देते हैं। कोई से भी मांगने की दरकार नहीं रहती। जिन2 को वहां ऊंच पद पाना है वह आप ही मददगार बनते हैं। अपनी राजधानी पाने लिये क्या यह भी खर्चा नहीं करेंगे। जब कि हम विश्व के मालिक बनते हैं। यहां भी है पैसे की बात। कितना अच्छी रीत समझाना पड़ता है। म्युजियम में एम की आदि आते हैं फिर कहते हैं हमारे घर में आकर समझाओ। बच्चे कहते हैं अच्छा वहां भी आकर कोर्स तुमको देंगे। विश्व के कल्याण लिये तुम बच्चों को कितनी मेहनत करनी पड़ती है। कितना समझाना पड़ता है। बाप कहते हैं शिव बाबा को याद करो। परन्तु इसमें माया की कितनी विघ्न पड़ती है। कितना समझाना पड़ता है। बाप कहते हैं शिव बाबा को याद करो। परन्तु इसमें माया की कितनी विघ्न पड़ती है। तुम बाप को याद करो। माया भूला देगी। अभी तो कोई कर्मातीत अवस्था को नहीं पहुंचा है। वह तब होगा जब ज्ञान पूरा होगा। और लड़ाई शुरू होगी। बाप कितना सहज समझाते हैं। सिर्फ अपने को आत्मा समझ मामेकम याद करो। तो तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जावेंगे। बैटरी चार्ज हो जावेगी। तुम स्वदर्शन चक्र को याद करो तो देवता बन जावेंगे। बाप कहते हैं कर्मातीत बनेंगे ही नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। जो खुद भी फील करते हैं बरोबर माया बिल्ली हमारा दीया बुझा देती है। बाबा तो कहते हैं और भी अच्छी रीत उनको विघ्न में डालो। देखते हैं महावीर पहलवान हैं। महावीर हनुमान की बात भी इस समय की है ना। जो मजबूत है वह तो कहेंगे माया भल कितना भी हिलावे हम हिल नहीं सकते। शास्त्रों में कितना कथायें लिखी हैं। बाप रोज2 भिन्न रीति समझाते रहते हैं। कहां कौरव गवर्मेन्ट, कहां पाण्डव गवर्मेन्ट। है दोनों ताज रहित। यह पाण्डव गवर्मेन्ट होने वाली है। वह खत्म हो जानी है। यह देवी गवर्मेन्ट स्थापन हो रही है। यह बातें कब कोई की बुद्धि में बैठ न सकें। गीता का कितना प्रभाव है। बाप ने तो सारा कहा है साधुओं का भी उधार करने मुझे आना पड़ता है। बाप द्वारा ही सभी का उधार होना है। सभी मुक्तिधाम चले जावेंगे। शास्त्रों की बातें बुद्धि में बैठी हुई हैं तो वही निकलता रहता है। बाप समझाते हैं यह सभी है ईसाल बातें। जिससे तुम सीढ़ी नीचे उतरते आये हो। फिर भी तुम यह पढ़ेंगे। तुम ही सभी से जास्ती भक्ति करने वाले हो। अबलाओं पर कितनी विघ्न पड़ती है। द्रौपदी ने भी पुकारा ना हे भगवान। नग्न करते हैं। कहानियां कैसे2 गंदी बनाई हैं। अभी तो इन बातों से जैसे घृणा आती है। अभी बाप कहते हैं चलते फिरते सिर्फ अन्तर्मुख हो रहो। याद से ही तुम सतोप्रधान बन जावेंगे। पवित्र भी रहना है। देवीगुण धारण करनी है। इसलिये बाबा ने कहा है अपना चार्ट आप ही देखो। कोई आसुरी गुण तो नहीं पड़ा